सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 286, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12
गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश

इनसाइड मनरेगा में धांधलीः ग्राम प्रधान ने खुद को मजदूर... » Pg08

तीन इंटरनेशनल साइबर ठग गिरफ्तार

4000 डॉलर में बेचे जा रहे गुड लुकिंग युवक

विदेशों में है बेरोजगारों की डिमांड, अब तक पांच सौ करोड़ की की ठगी, महाराष्ट्र, एमपी और यूपी में एक साथ कार्रवाई

आगरा में मानव तस्करी का पर्दाफाश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा/लखनऊ। ताजनगरी आगरा की पुलिस और साइबर क्राइम थाने की टीम ने बड़ी कार्रवाई करके इंटरनेशनल साइबर ठग गैंग के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में एक साथ कार्रवाई करके तीनों को दबोचा है, जो विदेश में मोटी सैलरी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग राज्यों से बेरोजगार युवाओं को कम्बोडिया, थाईलैंड और वियतनाम भेजते थे। फिर साइबर क्रिमिनल गैंग को युवाओं को बेच करके उनसे ठगी कराते थे।

एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि इंटरनेशनल साइबर ठग गैंग के दबोचे गए सदस्यों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जिनकी तस्दीक की जा रही है। तीनों ने पूछताछ में यह खुलासा किया है कि भारत के जिन भी युवाओं को साइबर क्रिमिनल गैंग को बेचा गया था। वो भारत के अलग-अलग प्रदेशों में करीब 500 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुके हैं। गैंग के हर सदस्य का काम बंटा हुआ होता था।

एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आतिफ खान पुत्र मोहम्मद अतीक खान निवासी एबी नगर, जैर खिड़की, कोतवाली उन्नाव, आरोपी अजय कुमार शुक्ला पुत्र अमितेशनगर, राजेंद्र नगर, इंदौर मप्र और एक अन्य है। आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि भारत के अलग अलग प्रदेशों से बेरोजगार युवाओं को विदेश में मोटे वेतन पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर जाल में फंसाया जाता था।

> » कम्बोडिया और वियतनाम में फंसने के बाद परिवार से वसूली करके छोड़ा जाता था।

सभी को भारत से थाईलैंड, कम्बोडिया और वियतनाम भेजा जाता था। जहां पर सभी बेरोजगारों को वहां पर एक्टिव साइबर क्राइम गैंग को 3500 से 4000 हजार डॉलर में बेच दिया जाता। इसके बाद भारत से नौकरी के लिए कंबोडिया और वियतनाम भेजे गए बेरोजगारों को साइबर क्रिमिनल गैंग के लोग हाउस अरेस्ट करके ऑनलाइन ठगी, डिजिटल इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग फ्रॉड के काम में लगा देते थे।

एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त मोहम्म्रद आतिफ ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी मर्चेंट ट्रेड में इंजीनियरिंग किए हुए हैं। जो लंबे समय से कम्बोडिया में रहा था। उसने अजय कुमार शुक्ला के साथ मिलकर 50 से अधिक बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर कम्बोडिया और वियतनाम में भेजकर साइबर क्रिमिनल गैंग को 3500 डॉलर में बेच दिया।

जिसने भी विरोध किया, उसके साथ मारपीट की जाती थी। इसके साथ ही वसूली के बाद छोड़ा जाता था। एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि आरोपियों से जब्त किए गए मोबाइल, लैपटॉप, सीपीयू, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी समेत दस्तावेजों को बरामद किया है। जिसके आधार पर आगे की छनबीन की जा रही है।

एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में विदेश में बैठकर साइबर क्राइम कराने वाले साइबर क्रिमिनल के बारे में तमाम जानकारी मिली हैं। अभियुक्तों के मोबाइल में साइबर सिलेवरी की चैट, पासपोर्ट फोटो, पाकिस्तानी ठगों से कनेक्शन, होटल और ट्रांजेक्शन के सबूत मिले हैं। जो विदेशी ठगी और मानव तस्करी में लिप्त नेटवर्क के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

एडिशनल डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अजय कुमार शुक्ला के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में मलपुरा थाना क्षेत्र के युवक और उसके एक साथी को साइबर सिलेवरी में फंसाने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसके बाद 16 सितंबर को आगरा के साइबर क्राइम थाने में अजय शुक्ला और अन्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसकी छानबीन और गृह मंत्रालय से मिले इनपुट पर आगरा पुलिस ने गैंग के तीन आरोपियों को दबोचा है। अन्य की तलाश में पुलिस टीमें छानबीन कर रही हैं।

शर्मनाक हरकत

दयानंद विवि में महिला कर्मचारियों से हद दर्जे की बदसलूकी

प्राइवेट पार्ट्स की फोटो खींचकर दिखाओ... तब मिलेगा अवकाश!

» रोहतक, एजेंसी।

हरियाणा की दयानंद यूनिवर्सिटी में राज्यपाल के दौरे के बीच महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में महिलाओं के साथ शर्मनाक हरकत की घटना ने सभी को चौंका दिया है। यूनिवर्सिटी में महिला सफाई कर्मियों के साथ सुरवाइजरों ने दरिंदगी की हदें पार कर दी। उन्होंने मासिक धर्म की पुष्टि करवाने के लिए कपड़े उतरवाए। मामला सामने आने के बाद दो कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं पीड़ित महिलाओं ने मामले की लिखित शिकायत महिला आयोग के साथ ही मानवाधिकार आयोग से भी की है।

पीड़िताओं ने शिकायती पत्र में लिखा कि दो सुपरवाइजरों ने यूनिवर्सिटी में काम तेजी से न करने पर शर्मसार कर देने वाला दबाव डाला। उन्होंने कहा कि महावारी और शारीरिक पीड़ा के चलते निरंतर काम नहीं हो पाता है। इस पर सुपरवाइजर भड़क गये और उन्होंने प्राइवेट पार्ट्स की फोटो खींच दिखाने की बात कहीं। जब महिला सफाईकर्मियों ने इस बात का विरोध किया तो अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। यहां तक कि नौकरी से निकाल देने की भी धमकी दी गयी। सुपरवाइजरों के दबाव के चलते महिला कर्मचारियों को वॉशरूम में जाकर फोटो खीचने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आरोप है कि इस कार्रवाई का आदेश एक अन्य अधिकारी ने दिया था। महिला कर्मियों ने विश्वविद्यालय और पुलिस प्रशासन से तत्काल कानूनी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जनसंपर्क निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में घटना संबधित शिकायत के संदर्भ में, कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं।

आदेशानुसार, दोनों, एचकेआरएन सेवारत सैनिटरी सुपरवाइजरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन उनके विरुद्ध चल रही अनुशासनात्मक कार्यवाही पर किसी भी प्रकार की पूर्वाग्रह रहित कार्रवाई के रूप में रहेगा। निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय रोहतक रहेगा और वे अनुमति के बिना स्टेशन नहीं छोड़ सकेंगे।

महापौर ने अरमापुर घाट पर किया छठ पूजन

डूबते सूरज को अर्घ्य देकर नगरवासियों के लिए मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

»स्वराज इंडिया न्यूज,

कानपुर।छठ महापर्व की पावन संध्या पर महापौर प्रमिला पांडे ने सोमवार शाम अरमापुर घाट पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। महापौर सबसे पहले घाट पर पहुंचीं और वहां मौजूद बड़ी संख्या में व्रती महिलाओं के साथ पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजन के दौरान पूरे घाट परिसर में जय छठ मैया के जयकारों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। दीपों की रोशनी और लोकगीतों की मधुर धुनों ने श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।पूजन के उपरांत महापौर प्रमिला पांडे ने सभी नगरवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पूजा न केवल धार्मिक आस्था का पर्व है, बल्कि यह परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और पर्यावरण के प्रति हमारी श्रद्धा का प्रतीक भी है।ऽ

उन्होंने नगर की महिलाओं और श्रद्धालुओं के साथ मिलकर छठी मैया से कानपुर की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

भीषण गंदगी से त्रस्त लोगों का घर से निकलना हो गया दूभर

पनकी वार्ड 57 में लापरवाही की इंतेहा

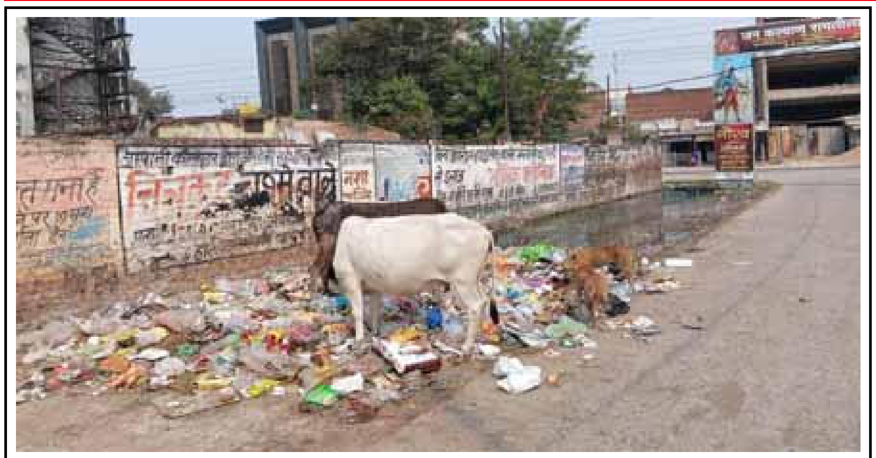

» वार्ड 57 में नालियां जाम, कूड़े के ढेर और जलभराव से परेशान लोग

» गौवंश कूड़ा खाने को मजबूर, पार्षद और नगर निगम की लापरवाही उजागर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी स्वराज नगर वार्ड 57 में स्वच्छता अभियान के दावे धरे रह गए हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद क्षेत्र में जगह-जगह नालियां जाम, सड़कों पर जलभराव और कूड़े के अंबार ने सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है।सी ब्लॉक और स्वराज नगर इलाके की स्थिति इतनी खराब है कि लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बदबू और मच्छरों के कारण बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो वार्ड पार्षद आरती त्रिपाठी ने कोई पहल की और न ही नगर निगम अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं, पनकी की सरकारी कान्हा गौशाला की अनदेखी भी उजागर हुई है। सड़क किनारे घूमते गोवंश कूड़ा-कचरा खाने को मजबूर हैं, जिससे प्रशासनिक संवेदनहीनता साफ झलकती है। गौशाला कर्मचारियों और नगर निगम की लापरवाही ने सरकार की गौ-संरक्षण नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल स्वीट हाउस के कर्मचारी लगातार सड़क किनारे कूड़ा फेंकते हैं, जिससे गंदगी फैलती है। विरोध और चेतावनी के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का सवाल है कि जब हर साल लाखों रुपये सफाई बजट में खर्च किए जाते हैं, तो आखिर इसका लाभ जनता तक क्यों नहीं पहुंच रहा? क्या नगर निगम और पार्षद की जिम्मेदारी केवल चुनावी फोटो सेशन तक सीमित रह गई है?

हीर पैलेस टॉकीज के पास गुमटी में लगी भीषण आग

» पुलिस ने फायर ब्रिगेड से पहले पाया काबू

कानपुर। छावनी थाना क्षेत्र में हीर पैलेस टॉकीज के बगल में एक गुमटी में भीषण आग लगी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही इलाकाई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

कानपुर में छावनी थाना क्षेत्र अंतर्गत हीर पैलेस टॉकीज के ठीक बगल में सड़क किनारे रखी एक गुमटी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई।

समय रहते स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।जानकारी के अनुसार, हीर पैलेस टॉकीज के बगल में रखी गुमटी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही इलाकाई पुलिस बिना किसी देरी के फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही मौके पर पहुंच गई।

पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। घटनास्थल टॉकीज के पास है और आसपास घना इलाका है। इसलिए यदि पुलिस समय पर नहीं पहुंचती, तो आग फैल सकती थी और एक बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने के कारण का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आइजीआरएस की गिरती रैंकिंग पर 12 विभागों को नोटिस जारी

एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बीते छह महीने से शिकायतों के निस्तारण में की जा रही हीलाहवाली

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।आइजीआरएस की लगातार गिरती रैंकिंग को लेकर प्रशासन ने बडी कार्रवाई की है। निगेटिव फीडबैक और शिकायतकर्ताओं से संपर्क न करने पर 12 विभागाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया साथ ही नगर आयुक्त को लेटर लिखा गया है। एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बीते छह महीने से शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले विभागों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जनता के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आइजीआरएस निस्तारण में सितंबर में प्रदेश के 75 जिलों में 73वीं रैंक मिलने पर प्रशासन की काफी किरकिरी हुई थी। अफसरों के लापरवाही का खामियाजा शिकायतकर्ता भुगत रहे, वहीं लगातार लेटर लिखने के बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा। एडीएम सिटी ने बीते छह महीने में निगेटिव फीडबैक, शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क न करने समय सीमा के बाद निस्तारण और गुणवत्ताहीन निस्तारण करने वाले विभागों को टाइट करना शुरू कर दिया है। गिरती रैंकिंग पर नगर आयुक्त को लेटर लिखा गया है।

इन विभागों को नोटिस जारी

सीएमओ, सहायक श्रमायुक्त, अधिशासी अभियन्ता जलकल, अधिशासी अभियन्ता दक्षिणांचल वि वि नि लि, एसडीएम सदर, एसडीएम बिल्हौर, केडीए सचिव, बीएसए , अधिशासी अभियन्ता केस्को, अधिशासी अभियन्ता उप्र जल निगम, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, अधीक्षण अभियन्ता केस्को को कारण बताओ नोटिस नोटिस जारी किया गया ।

बिना ऑपरेशन कबाड़ हुई 82 लाख की मॉड्यूलर ओटी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उर्सला अस्पताल की 2009-10 में 82 लाख की लागत से बनी मॉड्यूलर ओटी, एनआरएचएम घोटाले की अफवाहों और बाद में एएमसी न होने के कारण बिना इस्तेमाल के निष्प्रयोज्य हो गई है।

कानपुर के उर्सला अस्पताल में 82 लाख रुपये से बनाई गई मॉड्यूलर ओटी बिना किसी ऑपरेशन के कबाड़ हो गई। यह 2009-10 में बनाई गई थी। निदेशक डॉ. एचडी अग्रवाल ने इंजीनियरों से निरीक्षण कराया तो उन्होंने निष्प्रोज्य घोषित कर दिया। उनका कहना है कि इसका जीर्णोद्धार भी नहीं हो सकता है। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में इस तरह की ओटी बनाई जाए तो 1.25 करोड़ रुपये लागत आएगी। अस्पताल के मुख्य भवन में वार्ड पांच के पास सन 2009-10 में 15 बाई 15 के कमरे में मॉड्यूलर ओटी बनवाई गई थी।एनआरएचएम के बजट से करीब 82 लाख रुपये की लागत आई थी। उसी समय एनआरएचएम घोटाले का मामला उजागर हुआ तो इसकी आंच ओटी तक पहुंच गई। ओटी बनाने में घोटाले की अफवाह भी उड़ी। इसके बाद से इसका संचालन शुरू नहीं हो सका जब स्थितियां कुछ ठीक हुई तो ओटी में लगी कुछ मशीनों में खराबी आ गई। इन मशीनों का एनुअल मेंटीनेंस कॉन्ट्रैक्ट (एएमसी) कराया ही नहीं गया।

मकान की फर्जी रजिस्ट्री कर ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

जालसाजी और फर्जी दस्तावेज़ बनाकर किया था संपत्ति पर कब्ज़े का प्रयास

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। काकादेव थाना पुलिस ने मकान की फर्जी रजिस्ट्री कर जालसाजी करने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने फर्जी दस्तावेज तैयार करके कोर्ट रचना के माध्यम से अवैध रूप से मकान अपने नाम कराने का प्रयास किया था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शुभम अग्निहोत्री पुत्र अनूप अग्निहोत्री और राहुल अग्निहोत्री पुत्र अनूप अग्निहोत्री, निवासी मकान नंबर 117/569, अंबेडकर नगर, काकादेव, कानपुर नगर के रूप में हुई है।दोनों के विरुद्ध अपराध संख्या 222/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेश त्रिपाठी और एसआई शिवकरण वर्मा की संयुक्त टीम ने जांच के बाद दोनों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों ने दस्तावेजों में हेरफेर कर कोर्ट के माध्यम से मकान की रजिस्ट्री कराने की साजिश रची थी।पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य सहयोगियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

नौबस्ता तक दौड़ेगी मेट्रो: सेंट्रल-स्वदेशी काटन मिल के बीच ट्रैक बिछाने का काम शुरू

» यूपीएमआरसी के एमडी बोले, सेंट्रल से नौबस्ता तक मेट्रो विस्तार कानपुर की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव लाएगा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दक्षिण क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर है। कानपुर मेट्रो अब जल्द ही नौबस्ता तक दौडने् लगेगी। सेंट्रल मेट्रो स्टेशन से आगे स्वदेशी काटन मिल रैंप के बीच तीन किलोमीटर लंबे हिस्से में ट्रैक बिछाने का कार्य शुरू हो गया है। इससे पहले रैंप से नौबस्ता तक रेलवे ट्रैक का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। इस अंतिम चरण के बाद पूरे रूट में ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा हो जाएगा।स्वदेशी काटन मिल रैंप के पास रेल पटरियों को उतारने और वेल्डिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस दौरान 18 मीटर लंबी रेल पटरियों को जोड़ा जा रहा है। वेल्डिंग के बाद तय दूरी पर स्लैब ढलाई, डिरेलमेंट गार्ड और थर्ड रेल लगाने की प्रक्रिया चलेगी। ट्रैक निर्माण में हेड हार्डेंड रेल तकनीक का उपयोग हो रहा है, जिसका प्रयोग हाई-स्पीड फ्रेट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं में किया जाता है। ये रेल पटरियां अधिक टिकाऊ और रखरखाव-मुक्त मानी जाती हैं।

सेंट्रल से स्वदेशी काटन मिल रैंप के बीच ट्रैक निर्माण की शुरुआत, मेट्रो विस्तार का बड़ा माइलस्टोन है। हाल ही में इस सेक्शन में 'आजाद' और 'विद्यार्थी' टनल बोरिंग मशीनों ने सुरंग निर्माण कार्य पूरा किया था। 24 किलोमीटर लंबे पहले कॉरिडोर में फिलहाल 16 किलोमीटर तक आईआईटी से सेंट्रल स्टेशन तक मेट्रो का संचालन जारी है, और अब नौबस्ता तक का सफर जल्द साकार होगा।

सुशील कुमार, प्रबंध निदेशक
उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन

समाधान दिवस पर गैरहाजिर लेखपाल को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। समाधान दिवस में बिना बताए गैरहाजिर तहसील नर्वल बिरहर के लेखपाल राज कुमार दीक्षित पर आखिर गाज गिर ही गई। एसडीएम नर्वल ने विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। बीते 18 अक्टूबर को डीएम की अध्यक्षता में नर्वल में समाधान दिवस आयोजित की गई थी। यहां एक शिकायत के संबंध में जब डीएम ने अपडेट स्टेट्स पूछा तो लेखपाल के गैरहाजिर होने की जानकारी हुई। इसपर डीएम ने नाराजगी जाहिर की। एसडीएम नर्वल विवेक मिश्रा ने बताया कि बिरहर लेखपाल राजकुमार दीक्षित पर अनुशासनहीनता के तहत विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

तहसील नर्वल में 18 अक्टूबर को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित तहसील दिवस पर बिरहर के रहने वाले प्रतीक कुमार ने डीएम के सामने शिकायती पत्र दिया कि गाटा संख्या 729 रकबा 0.449080 भूमि राजस्व अभिलेखों में बतौर चकमार्ग के रूप से दर्ज हैण् जिसमें गांव के ही अरविन्द पांच सालों से कब्जा किये है। उसने बताया कि चकमार्ग गांव बिरहर जाने के लिए सीधा मार्ग है और इससे गांव वालों को खासी परेशानी होती है। डीएम से जमीन से कब्जा हटाने की गुहार लगाई। इसपर डीएम ने उक्त स्थान की अपडेट स्टेट्स की जानकारी मांगी। एसडीएम ने बिरहर के लेखपाल के संबंध में जानकारी की तो पता चला कि वह गैरहाजिर है। बिना पूर्व अवकाश या उच्चाधिकारियों के संज्ञान के गैरहाजिर होने पर डीएम ने काफी नाराजगी जाहिर की थी। इसपर एसडीएम ने सख्त कार्यवाही की है।

अफसरों की सख्ती का पड़ा असर, तेज हुई फार्मर रजिस्ट्री की रफ्तार

तहसील के हर लेखपाल ने संभाला मोर्चा, किसानों से कर रहे संपर्क

अफसरों ने कहा, अब हर हाल में पूरा होगा टारगेट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। प्रशासन की फटकार के बाद बिल्हौर सर्किल में फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने अब रफ्तार पकड़ ली है। लंबे समय से सुस्त चल रहा कार्य अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। अफसरों के सख्त तेवरों के बाद राजस्व टीमें मैदान में उतर आई हैं। हर लेखपाल अपने क्षेत्र में सक्रिय है और किसानों से संपर्क कर उनके दस्तावेज़ समय से जमा कराने का प्रयास कर रहा है।

एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसीलदार अनुभव चंद्रा की लगातार समीक्षा बैठकों के बाद लेखपालों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी किसान रजिस्ट्री से वंचित न रह जाए। वहीं, जिन जनसेवा केंद्रों पर काम की रफ्तार धीमी थी, वहां अफसरों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया और सुधार के निर्देश दिए।

राजस्व विभाग का दावा है कि बीते दो दिनों में फार्मर रजिस्ट्री की गति दोगुनी हुई है। कई गांवों में लेखपालों ने सुबह से शाम तक कैंप लगाकर किसानों के दस्तावेज पूरे करवाए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि काम में ढिलाई बरतने या शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई तय है। गांव-गांव चल रहे इस अभियान से किसानों में भी जागरूकता बढ़ी है। अब किसान स्वयं अपने दस्तावेज लेकर केंद्रों पर पहुंच रहे हैं ताकि रजिस्ट्री समय पर पूरी हो सके।

तहसीलदार बोले- लापरवाही करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे

तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने बताया कि किसानों से लगातार संवाद किया जा रहा है और केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई तय है।

चार दर्जन लेखपाल अफसरों के रडार पर

तहसील सूत्रों के अनुसार, हाल ही में फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में ढिलाई बरतने वाले करीब चार दर्जन लेखपाल तहसील प्रशासन की नजर में हैं। इन लेखपालों की सूची तैयार की गई है। तहसील प्रशासन द्वारा इनसे जवाब-तलब किया गया है। अफसरों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गांवों में कैंप लगाकर अधिक से अधिक किसानों की रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए।

...तो फिर रह जाएंगे योजनाओं से महरूम ये किसान!

बिल्हौर। फार्मर रजिस्ट्री न करवाने वाले किसानों को आगे चलकर कई सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। राजस्व और कृषि विभाग के अनुसार, राज्य और केंद्र सरकार की लगभग सभी किसान योजनाएँ अब रजिस्ट्री से जुड़ी होंगी।

रजिस्ट्री न होने पर किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, ऋण माफी योजना, खरीफ-रबी अनुदान, सिंचाई सब्सिडी, बीज वितरण योजना, और भूमि अभिलेख आधारित सहायता योजनाओं से वंचित रह जाएंगे।

अधिकारियों का कहना है कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों की पहचान और भूमि की सत्यता का आधार बनेगी, इसलिए हर किसान का नाम इस पोर्टल पर दर्ज होना आवश्यक है। जो किसान अभी तक रजिस्ट्री नहीं करवा पाए हैं, उन्हें जल्द से जल्द अपने आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ जनसेवा केंद्र या अपने गांव क्षेत्र के लेखपालों से संपर्क करना चाहिए।

फॉर्मर रजिस्ट्री के चक्कर में ओटीपी सोच-समझकर दें

फॉर्मर रजिस्टरी के चक्कर किसी की बातों में झांसे में आकर अपना ओटीपी न दे दें। जागरूक व्यक्ति का फर्ज निभाते हुए आवेदन करें और मौके पर पहुंचकर जिम्मेदार तहसील कर्मी यानि कि लेखपाल से ही पड़ताल करने के बाद अपना ओटीपी शेयर करें। जिस तरह से आर्थिक धोखाधड़ी की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं उससे प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

फॉर्मर रजिस्ट्री के लिए जरूरी दस्तावेज

फार्मर रजिस्ट्री के लिए मुख्य दस्तावेज़ों में आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, और अपनी कृषि भूमि से संबंधित दस्तावेज़ जैसे जमाबंदी या खसरा-खतौनी शामिल हैं।

अक्टूबर के आखिरी दिनों में बदला मौसम का मिजाज

दिन भर रुक-रुक कर होती रही बूंदाबांदी

» लोग हल्के गर्म कपड़े पहनकर काम करने निकले।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अक्टूबर के आखिरी दिनों में मौसम ने करवट ले ली। सोमवार और मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दिनभर रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी होती रही। मौसम में आई इस नमी और ठंडक ने लोगों को नवंबर जैसी ठिठुरन का अहसास करा दिया। मौसम विभाग ने पहले ही अनुमान जताया था कि पिछले दो दिनों से बने बादलों के कारण हल्की बारिश हो सकती है। अनुमान सही साबित हुआ और सोमवार-मंगलवार को कई जिलों में बीच-बीच में बूंदाबांदी होती रही। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिमी हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के असर से फिलहाल यही रुझान बना रहेगा। हल्की ठंड का दौर अब शुरू हो चुका है।

किसानों का कहना है कि यह हल्की बारिश खेतों की नमी के लिए फायदेमंद है। हालांकि जिन इलाकों में धान की कटाई चल रही है, वहां थोड़ी असुविधा भी हुई। बिल्हौर, चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन और अरौल आस-पास के क्षेत्रों में भी पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे और शाम तक हल्की फुहारें पड़ती रहीं। इसके साथ ही ठंड में काफी बढ़ोत्तरी भी देखने को मिली।

निर्देश: अफसर किसानों को सिखाएंगे खेती का नया मंत्र

गांव-गांव रहेगा अफसरों का डेरा, किसानों को करेंगे जागरूक

बैठक में एसडीएम ने दिया एक्शन प्लान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अब अफसरों का काफिला गांव-गांव पहुंचेगा। किसानों को न सिर्फ पराली जलाने से रोकेंगे, बल्कि खेती के नए तरीकों की भी पाठशाला लगाएंगे। सोमवार को एसडीएम दफ्तर में हुई समीक्षा बैठक में उपजिलाधिकारी संजय दीक्षित ने अफसरों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कागज़ी बातें बंद करें, अब खेतों में उतरें।

बैठक में कृषि, ब्लॉक और सप्लाई विभाग के अफसरों को दो टूक निर्देश दिए गए कि वे किसानों से सीधा संवाद करें। एसडीएम ने कहा, पराली जलाना पर्यावरण ही नहीं, किसानों की जमीन की सेहत के लिए भी खतरा है। अब हर किसान को इसकी जिम्मेदारी समझनी होगी।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर विशेष टीमें गठित की जा रही हैं जो गांव-गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चलाएंगी। वहीं, कृषि विभाग को निर्देश मिला कि फार्मर रजिस्ट्री अभियान की रफ्तार अब और बढ़ाई जाए ताकि एक भी पात्र किसान पंजीकरण से न छूटे। सप्लाई विभाग को यह सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया कि पंजीकृत किसानों को खाद, बीज और अन्य सामग्री समय से उपलब्ध कराई जाए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन और किसान मिलकर ही बदलाव ला सकते हैं जब खेतों में जिम्मेदारी बोई जाएगी, तभी विकास की फसल उगेगी। इस दौरान तहसीलदार अनुभव चंद्रा समेत कई अफसर मौजूद रहे।

सम्पादकीय

परदेश में जलालत झेलती देश की जवानी

अमानवीयता की हद पार करती अमेरिका इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट एजेंसी के संवेदनहीन तौर-तरीकों का त्रास झेलते 54 हरियाणवी युवा शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरे। सुनहरे सपनों की आस लिए अमेरिका गए इन युवाओं ने जिन त्रासदियों का सामना किया, वो उन युवाओं के लिये सबक भी है, जो अपनी योग्यता व क्षमता का मूल्यांकन किए बिना बस विदेश जाने की धुन में लगे रहते हैं। निस्संदेह, इन युवाओं ने बेहतर भविष्य के लिये रिस्क लेने का जज्बा तो दिखाया, लेकिन एजेंटों के छलावे के चलते डंकी रूट पर फिसल गए। इन युवाओं को इस बात का भान नहीं रहा कि घोर दक्षिणपंथी रुझान वाले ट्रंप के शासन में प्रवासियों के साथ कैसी क्रूरता व भेदभाव किया जा रहा है। जिसके चलते उनके साथ अमेरिका में अपराधियों जैसा सुलूक किया है। उन्हें जेल और अपराधियों के लिये बने कैंपों में रखा गया। युवाओं ने आरोप लगाया कि जेलों में गर्मी में हीटर और सर्दी में एसी चलाकर रखा जाता था। शाकाहारियों को मांस दिया जाता था और न खाने पर सिर्फ सूखी रोटी। खेत बेचकर-कर्ज लेकर उज्ज्वल भविष्य के लिये अमेरिका गए युवा अपराधियों की तरह स्वदेश लौटे। समाचार माध्यमों में प्रकाशित चित्रों में इन हताश युवाओं को अपराधबोध से ग्रसित देखा गया। विडंबना देखिए कि कई युवा अपना खेत बेचकर और चालीस-पचास लाख एजेंट को देकर विदेश गए, लेकिन डंकी रूट में धकेल दिए गए। उस खतरनाक रास्ते पर जहां हर पल मौत का खतरा बना रहता है। परिवार वालों को इस बात का सुकून जरूर होगा कि कम से कम उनके बच्चे सकुशल तो घर लौट आए है। वो बात अलग है कि इन युवाओं को अपने असफल प्रयास का मलाल जीवनपर्यंत सालता रहेगा। कुछ युवा इससे अवसादग्रस्त हो सकते हैं। कुछ हताश युवा भटकाव की राह में गुजर सकते हैं। निश्चय ही यह घटनाक्रम इन युवाओं के लिये एक त्रासदी से कम नहीं रहेगा। सुखमय जीवन की आस ने नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया। वे बेड़ियों में देश लौटे ।बहरहाल, इन युवाओं की अपमानजनक वापसी कई ज्वलंत सवालों को भी जन्म देती है। यह हमारी नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार काम नहीं दे पा रहे हैं। हम कहते नहीं थकते कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। सवाल यह है कि इस युवा शक्ति को दिशा देने के लिये हमनेक्या किया?

तमाम प्रलोभन व लोकलुभावने वादे करने वाले राजनीतिक दलों की प्राथमिकता युवाओं को रोजगार देना क्यों नहीं होती? सिर्फ चुनाव आने पर करोड़ों रोजगार देने के वादे तो किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बावजूद वे पूरे नहीं होते। दोष हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी है जो डिग्री तो देती है, लेकिन रोजगार की गारंटी नहीं देती। दोष हमारी युवा पीढ़ी की उस मानसिकता का भी है जो सिर्फ नौकरी और उसमें भी सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देती । निजी क्षेत्र भी सिर्फ मुनाफे को प्राथमिकता देता है और तकनीक के जरिये रोजगार के अवसरों में कटौती को प्राथमिकता देता है। ऐसे देश में, जहां आबादी आज दुनिया में सबसे ज्यादा है, हमें श्रम प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संयम आधारित हो नये दौर की शासन कला

ज्योति मल्होत्रा

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता विभाजित दुनिया का आधार बिंदु है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों की आग में झुलस रही है, हमारे गणतंत्र ने सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने का अनुशासन दर्शाया है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन..भारत की रणनीतिक स्वायत्तता विभाजित दुनिया का आधार बिंदु है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों की आग में झुलस रही है, हमारे गणतंत्र ने सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने का अनुशासन दर्शाया है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है।समझदार सेनापति जीत मिलते ही युद्ध खत्म कर देता है, उसे खींचता नहीं। - अर्थशास्त्र परंपरा

युद्ध कभी-कभार ही वहां खत्म होते हैं जहां वे थमते हैं; जहां वे विराम लेते हैं वहां से अनुपात का आगाज़ होता है। वर्साय से लेकर गाजा तक, बगदाद से कीव तक, हर अधूरा युद्ध वही सबक दोहराता है- बिना संयम की जीत अपने ही विनाश के बीज बोती है। जब जीत अपमान में बदल जाए, तब शांति भरभरा कर गिर जाती है। भारत लंबे समय से इस सच्चाई को जानता है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है, युद्धविराम थकान से नहीं अपितु दूरदर्शिता से रोक लेने की क्षमता। संयम का अर्थ पीछे हटना नहीं ; यह एक फैसला होता है, विवेक के साथ साहस का, अनुपात संग शक्ति का। अंत भला हो, यह कमान का सबसे मुश्किल काम है। अपरिमेय जीत का जाल : जैसे कि दुनिया के महाद्वीपों और समुदायों में खून बह रहा है, संयम की बात कहीं नहीं हो रही। युद्ध बेवजह जारी रहते हैं, और शांति का कोई नामलेवा नहीं। इस नैतिक शून्य में, भारत की आनुपातिक संतुलन की विरासत एक गुण से कहीं ज़्यादा है, यह अतिरेक के युग के लिए प्रति-आख्यान बन जाती है। अपरिमेय जीत सत्ता का सबसे पुराना जाल है। वर्साय ने हिटलर को जन्म दिया; इराक के जातीय बंटवारे ने आईएसआईएस पैदा की। बिना सोचे-समझे बदला लेने की प्रवृत्ति सिर्फ वर्दी बदलती है, दुश्मनी नहीं। पूर्ण विजय की तलाश अक्सर अगली पीढ़ी की पूर्ण हार तय करती है। भारत का अनुशासन सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने में है, न कि तालियों की खातिर।

विघटन पैदा करने वालों को चुनौती : वर्तमान विश्व व्यवस्था के रचनाकार, जो गठबंधन को आज्ञाकारिता के बराबर मानते हैं, जिस विघटन को वे अब कोस रहे हैं वह खुद उन्होंने पैदा किया। जो लोग स्वायत्तता की आलोचना अलग-थलग पड़ जाने या तटस्थता रखने के रूप में करते हैं, उनके लिए जवाब सरल है- गुटों की वफादारी विफल रही। भारत का अनुशासन महज घरेलू गुण नहीं; यह शक्ति के विफल मॉडल को चुनौती देता है, एक दबाव रहित आमूल-चूल बदलाव पेश करता है, जिसमें स्वायत्तता व संयम रणनीतिक पसंद के उच्चतम रूप बन जाते हैं। आधुनिक शक्ति का व्याकरण : संयम सिर्फ विरासत बनकर नहीं रह सकता। आज शक्ति प्रयोग न केवल हथियारों से बल्कि एल्गोरिदम, वित्त और इन्फलुएंस के जरिये किया जाता है। राज्य-व्यवस्था का व्याकरण बदल गया है। सप्लाई चेन घेराबंदी की रस्सियां हैं, डेटा नया रणक्षेत्र है, और सबसे आगे है कहानी गढ़कर फैलाने की होड़। आगामी युद्ध घोषित रूप में न होकर सहेज कर पाली खुन्नस है, जो धारणा, सटीकता और धैर्य के जरिये लड़े जाएंगे। जो देश अंत बढ़िया कर सकेगा वही लंबा टिक पाएगा। भारत के लिए चुनौती दोहरी है- सदी की रफ़्तार से कदम मिलाकर अपना सभ्यतागत स्वभाव कायम रखना। सिद्धांत को तैयारी संग, नैतिकता को फुर्ती के साथ, और धैर्य को सटीकता से जोड़ना होगा। संयम की कला तकनीक, कूटनीति और संचार के साथ पिरोनी होगी। रणनीतिक स्वायत्तता का मरहम - जब पी-5 वीटो से पंगु हो जाता है, संयुक्त राष्ट्र निष्प्रभावी हो जाता है ।

किस करवट बैठेगा प्रवासी मतदाताओं का ऊंट

बिहार की राजनीति में

ज्वाला सिंह दास

बिहार चुनाव में प्रवासी मतदाताओं का असर महत्वपूर्ण हो सकता है। उनकी सोच पारंपरिक समाज से भिन्न है, जिससे इस बार चुनाव परिणाम पर उनका प्रभाव निर्णायक साबित हो सकता है। सूर्य पूजा के लोक पर्व छठ के दौरान, जब बिहार के प्रवासी अपने घर लौट रहे हैं, तब राज्य की धरती इन दिनों गुंजायमान है। चुनावी माहौल में प्रवासियों के लौटने से राजनीतिक दलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। जाति और धर्म के खांचों में बंटे बिहारी समाज में अब एक नया खांचा उभरकर सामने आ रहा है—वह खांचा है प्रवासियों का। प्रवासी की अपनी जाति, धर्म और सामाजिक पहचान होती है, लेकिन बाहरी दुनिया में रहने वाले इन लोगों की सोच और दृष्टिकोण उनके घर-परिवार और पारंपरिक समाज से कुछ अलग हो सकती है। इसी कारण माना जा रहा है कि इस बार प्रवासियों का वोटिंग पैटर्न पारंपरिक सामाजिक और पारिवारिक सोच से इतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो इस बार बिहार की नई सरकार की किस्मत में प्रवासी वोटरों की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक होगी।

पिछले साल रेलवे के अनुसार, छठ पर्व के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से 6.5 करोड़ लोग रेल यात्रा पर थे, जिनमें अधिकांश बिहार के लोग थे। अब बिहार जाने के लिए रेल ही नहीं, सड़क, बस और निजी वाहनों से यात्रा करने वालों की भी अच्छी-खासी संख्या है। इस साल बारह हजार विशेष रेल

गाड़ियां चलाई गई हैं। निष्कर्ष है कि इस बार छठ पर्व के दौरान रेल यात्रा करने वालों की संख्या पिछले साल से पौने दो गुना अधिक हो सकती है। सवाल यह है कि क्या ये लोग केवल पर्व मनाने ही घर लौट रहे हैं, या उनका उद्देश्य बिहार विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना भी है? जबकि छठ पर्व के तुरंत बाद केवल वे प्रवासी काम पर लौटते हैं, जिनका रोजगार संगठित क्षेत्र में होता है, अधिकांश लोग असंगठित क्षेत्र से हैं और वे परिवार के खेतों में मदद के लिए रुक जाते हैं। ये लोग धान की कटाई और रबी की बुवाई के बाद ही काम पर लौटते हैं। इनमें से अधिकांश वोटर भी हैं, यानी इस बार ये प्रवासी मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। बिहार के प्रवासी मतदाताओं की इस ताकत को सभी राजनीतिक दल जानते हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाजपा की चुनावी मशीनरी हर चुनाव को रण की तरह लेती है। बीजेपी शासित राज्यों में छठ घाटों के निर्माण, छठ पर्व में सरकारी भागीदारी और सहयोग भी इसी रणनीति का एक हिस्सा है ।सत्ता का दावेदार माना जा रहा राष्ट्रीय जनता दल भी सक्रिय रहा है। हालांकि उसकी कोशिशें बीजेपी जितनी नहीं रही हैं। हाल के दिनों में उसने भी विशेषकर पिछड़े वर्ग के पढ़े-लिखे कुछ युवाओं को जोड़कर उनके जरिए प्रवासियों को साधने की कोशिश की है। प्रवासियों को सत्ताधारी जनता दल यू भी साधने की कोशिश करता रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे प्रयास जरूर किए हैं। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर भी सक्रिय हैं। उनकी ओर से सीधा और प्रत्यक्ष संवाद कम, लेकिन सोशल मीडिया और मीडिया पर उनकी लगातार उपस्थिति ने प्रवासियों को प्रभावित जरूर किया है। विशेषकर पढ़े-लिखे प्रवासियों और बाहर निकले बिहारी छात्रों में उनकी अपील ज्यादा है। इस लिहाज से देखें तो प्रवासी बिहारी मतदाताओं को लेकर सबसे ज्यादा जंग बीजेपी और प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी में ही होने की संभावना है। प्रवासी वोटरों का बड़ा हिस्सा प्रशांत किशोर को राजनीतिक रूप से खड़ा करने में मददगार हो सकता है ।ध्यान देने की बात यह है कि साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इन आंकड़ों के संदर्भ में प्रवासियों के मत को देखा-परखा जाना चाहिए।

छठ महापर्व की भव्यता में डूबा कानपुर

» स्वराज इंडिया न्यूज, कानपुर।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का सोमवार को कानपुर में भव्य आयोजन देखने को मिला। शहर के गंगा घाटों और नहर किनारों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि-विधान से डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। चारों ओर छठ गीतों की गूंज, जलते दीपों की लौ और श्रद्धा से भरा वातावरण पूरे शहर को आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

महिलाएं पारंपरिक परिधान–साड़ी, माथे पर लंबा सिंदूर और हाथों में पूजन सामग्री लिए छठ माता की आराधना में लीन दिखीं। घाटों पर परिवारों के साथ उमड़े श्रद्धालुओं ने सूर्य देव और छठ माता से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

प्रशासन रहा सतर्क, नगर निगम ने की बेहतर व्यवस्था

त्योहार को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और स्वच्छता के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे। नगर निगम टीमों ने घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और जलभराव न हो इसके लिए विशेष व्यवस्था की। पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार गश्त पर रही। मंगलमय रहा वातावरण, छठ गीतों से गूंजी गंगा तट की हवा गंगा तटों पर पारंपरिक छठ गीतों की धुनों और दीपों की रोशनी ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु परिवारों के साथ पूजा में शामिल हुए और एक–दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। जूही बारादेवी निवासी राधिका देवी ने बताया, छठ पूजा हमारे जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाती है। हम सूर्य देव और छठ माता की पूजा करते हैं ताकि हमारे परिवार और समाज में खुशहाली बनी रहे।उन्होंने आगे कहा कि वह हर वर्ष अपने परिवार के साथ गंगा तट पर जाकर पारंपरिक विधि से अर्घ्य अर्पित करती हैं और यह पर्व उनके जीवन का सबसे पवित्र क्षण होता है।मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। श्रद्धालु उगते सूर्य को जल अर्पित कर अपने परिवार और समाज की सुख–समृद्धि की कामना करेंगे।

स्पेशल ट्रेनें चल रही खाली रूटीन ट्रेनों में हाउसफुल

यात्रियों ने दिखाई अनिच्छा, रेलवे को बताना पड़ा कौन सी स्पेशल ट्रेन खाली है

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों पर लाखों यात्रियों को सुरक्षित यात्रा सुविधा देने के लिए रेलवे ने पूरे देश में 12,000 से अधिक ट्रेनें चलाई हैं। लेकिन यात्रियों का भरोसा इन स्पेशल ट्रेनों पर नहीं बन पा रहा है। कारण ये ट्रेनें नियमित ट्रेनों के मुकाबले कई घंटे अधिक समय ले रही हैं। यही वजह है कि रूटीन ट्रेनें पूरी तरह फुल हैं जबकि स्पेशल ट्रेनें आधी से भी कम यात्रियों के साथ चल रही हैं।रेलवे प्रशासन की प्राथमिकता नियमित ट्रेनों को समय से चलाने पर है। जबकि त्योहारों के लिए चलाई गई स्पेशल ट्रेनें या तो घंटों की देरी से चल रही हैं या उनके टाइमटेबल इस तरह तय किए गए हैं कि छोटी दूरी तय करने में भी लंबा वक्त लग रहा है। दिल्ली-कानपुर जैसी दूरी, जिसे सामान्य ट्रेनें चार से साढ़े चार घंटे में तय करती हैं,

कई स्पेशल ट्रेनें उसे आठ से नौ घंटे में पार कर रही हैं।

धीमी रफ्तार ने घटाई यात्रियों की दिलचस्पी

उदाहरण के तौर पर, गाड़ी संख्या 04145 गोविंदपुरी से रात 2:05 बजे चलकर सुबह 11:40 बजे दिल्ली पहुंचती है यानी 9 घंटे 35 मिनट का सफर। इसी तरह गाड़ी संख्या 04146 दिल्ली से रात 2 बजे चलकर 11:45 बजे कानपुर पहुंचती है यानी लगभग 9 घंटे 45 मिनट का समय। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 02309 गोविंदपुरी से सुबह 8:40 बजे रवाना होकर सायं 4 बजे आनंद विहार पहुंचती है। गाड़ी संख्या 02310 आनंद विहार से शाम 7:30 बजे चलकर रात 1:20 बजे गोविंदपुरी पहुंचती है। यात्रियों का कहना है कि जब नियमित ट्रेनें कम समय में बेहतर सुविधा दे रही हैं, तो वे स्पेशल ट्रेनों में सफर करने का जोखिम नहीं लेना चाहते।

विशेष ट्रेनों में पर्याप्त सीटें

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि दीपावली और छठ पर्व के बाद कार्यस्थलों की ओर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। इन ट्रेनों में पर्याप्त सीटें उपलब्ध हैं, यात्री अग्रिम आरक्षण आसानी से करा सकते हैं।

इन ट्रेनों में सीटें उपलब्ध

गाड़ी संख्या 02417 प्रयागराज-दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल - 31 अक्टूबर से 29 नवंबर 2025 तक सभी श्रेणियों (फर्स्ट एसी , सेकेंड ए.सी, थर्ड एसी, स्लीपर, इकॉनमी) में सीटें उपलब्ध।

गाड़ी संख्या 02275 सूबेदारगंज- दिल्ली स्पेशल - 30 अक्टूबर से सभी श्रेणियों में सीटें खाली।

गाड़ी संख्या 04123 प्रयागराज-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल - 29 अक्टूबर और 2 नवंबर को थर्ड एसी व स्लीपर में सीटें उपलब्ध।

ट्रेन यात्रियों के मोबाइल उड़ाने वाले दो शातिर गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। रेल यात्रियों के मोबाइल और सामान चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत करीब एक लाख पचास हजार रुपये बताई गई है।

रेलवे में हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह की टीम ने सोमवार देर रात हैरिशगंज पुल के पास घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों आसिफ उर्फ अजमेरी (28) निवासी मुन्ना पुरवा, बजरिया और सुरजीत उर्फ छुटकुल (23) निवासी ब्लॉक नं. 11, गोविंद नगर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ट्रेनों के आउटर पर धीमे होने पर यात्रियों के मोबाइल व पर्स चोरी कर कम दाम पर बेच देते थे।

मानसिक तनाव से परेशान 11वीं के छात्र ने लगाई फांसी

» रानीघाट में 11वीं के छात्र आरव ने घर में की आत्महत्या, मोबाइल में मिला अंग्रेजी सुसाइड नोट

» परिवार छठ पूजा पर गया था, बहन कोचिंग से लौटी तो टूटा दरवाजा, अंदर झूलता मिला शव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। कोहना थाना क्षेत्र के रानीघाट इलाके में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर दिया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नाती और द जैन इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 11 के छात्र आरव मिश्रा (16) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, आरव लंबे समय से मानसिक तनाव में था। परिवारजनों ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से परेशान था और कहता था कि उसे सपनों में कुछ लोग दिखाई देते हैं, जो कहते हैं या तो खुद जान दे दो या अपने परिवार को मार डालो। घटना के वक्त आरव की मां-पिता भागलपुर में छठ पर्व मनाने गए थे, जबकि बड़ी बहन मान्या कोचिंग क्लास में थी। इसी बीच आरव ने अपने कमरे में खुद को बंद कर फंदा लगा लिया। देर शाम जब बहन लौटी और दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसी परमिंदर चंद्रा की मदद से दरवाजा तोड़ा गया, जहां आरव का शव फंदे से लटकता मिला।मोबाइल में मिला अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट कोहना थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि मृतक के मोबाइल के नोटपैड में अंग्रेजी में लिखा हुआ सुसाइड नोट मिला है। उसमें उसने अपने सपनों में दिखने वाले चेहरों और खुद को खत्म करने के दबाव का जिक्र किया है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।मंगलवार सुबह जब माता-पिता कानपुर पहुंचे तो बेटे का शव देखकर बदहवास हो गए।

परिवार और परिचितों के बीच शोक की लहर है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मनरेगा में धांधली: ग्राम प्रधान ने खुद को मजदूर दिखाकर उड़ाए लाखों रुपए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का उद्देश्य गांवों में रोजगार उपलब्ध कराना और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है, लेकिन जिले की कई ग्राम पंचायतों में यह योजना भ्रष्टाचार का जरिया बन गई है। मलासा ब्लॉक के गिरदौ ग्राम पंचायत में मनरेगा के नाम पर भारी फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है, जहां ग्राम प्रधान ने खुद को और अपने सगे भाई को मजदूर दिखाकर लाखों रुपये की मजदूरी का भुगतान अपने ही खातों में करा लिया। इतना ही नहीं, परिवार के अन्य सदस्यों और गांव की जनसेवा केंद्र संचालिका तक को भी मजदूर दिखाकर भुगतान कर दिया गया।

ग्रामीणों ने जब इसकी हकीकत जानी तो उन्होंने जिलाधिकारी कानपुर देहात से शिकायत की है। डीएम का कहना है कि शिकायत की जांच कराई जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खुद को बताया मजदूर, खाते में डलवाए 91 हजार रुपये

शिकायत के अनुसार ग्राम प्रधान ने सचिव की मिलीभगत से पंचायत भवन निर्माण के दौरान खुद को मजदूर दिखाया और 91,048 रुपये की मजदूरी का भुगतान अपने ही खाते में करा लिया। यह फर्जीवाड़ा एक बार का नहीं बल्कि पिछले चार वर्षों से लगातार जारी बताया जा रहा है।

सगे भाई के नाम पर भी लाखों की मजदूरी

प्रधान ने अपने भाई करन सिंह को भी मजदूर दिखाकर विभिन्न निर्माण कार्यों में लाखों रुपये का भुगतान कराया।

» ग्रामीणों ने डीएम से की शिकायत

» सूत्रों का दावा है कि मामला दबाने का प्रयास किया जा रहा है

जांच में सामने आए कुछ प्रमुख भुगतान इस प्रकार हैं

नंदलाल के खेत से हनुमान मंदिर तक इंटरलॉकिंग में 22,400 मजदूरी
रामप्रकाश के मकान से कीरत सिंह के मकान तक नाली निर्माण में 14,000
होलिका दहन से रामनरेश के दरवाजे तक नाला निर्माण में 30,800
अकबरनगर पंचायत भवन निर्माण में 43,000
विजय के घर से हरिशंकर के खेत तक नाली निर्माण में 23,400
ये केवल कुछ उदाहरण हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जांच की गई तो और भी भारी घोटाले सामने आएंगे।

जन सेवा केंद्र संचालिका को भी दिखाया मजदूर

ग्राम प्रधान ने अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए गांव की जनसेवा केंद्र संचालिका नीतू सिंह को भी मजदूर दिखा दिया।उनके खाते में मनरेगा के तहत
शिव मंदिर से रमेश प्रजापति के घर तक इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण के नाम पर ?24,800 और नंदलाल के मकान से हनुमान के खेत तक सड़क निर्माण में 24,400
और अकबरनगर से गढ़िया तालाब तक निर्माण कार्य में 41,600
का भुगतान किया गया है।

ग्रामीणों ने उठाई कार्रवाई की मांग

गांव के कई लोगों ने मिलकर डीएम को लिखित शिकायत दी है कि ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से मनरेगा के तहत फर्जी मस्टर रोल और मजदूरी भुगतान का खेल चलाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि असली मजदूरों को काम नहीं मिल रहा जबकि कागजों में निर्माण कार्यों का भुगतान लगातार किया जा रहा है। इस पूरे प्रकरण पर जिलाधिकारी, कानपुर देहात ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है और संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रूरा थाने का दारोगा 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मारपीट के मामले में धाराएं कम करने के लिए मांगी थी घूस, विजिलेंस टीम ने पकड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाने में तैनात दारोगा संजय कुमार सिंह को विजिलेंस (सतर्कता) टीम ने 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दारोगा संजय सिंह पर एक मामले में धाराएं कम करने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप था। जानकारी के अनुसार, यह मामला रूरा थाना क्षेत्र के अंबरपुर गांव में हुए एक मारपीट के मुकदमे से जुड़ा है। यहां के निवासी भोला कोरी इस मुकदमे में आरोपित था। दारोगा संजय कुमार सिंह इस मामले की विवेचना कर रहे थे।

आरोपित भोला कोरी का आरोप था कि दारोगा संजय सिंह मुकदमे में लगाई गई धाराओं को कम करने के एवज में उनसे रु 5,000 की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

विजिलेंस ने बिछाया जाल- दारोगा की लगातार रिश्वत की मांग से परेशान होकर, भोला कोरी ने इसकी शिकायत विजिलेंस (एंटी करप्शन) टीम से की। शिकायत की पुष्टि होने के बाद विजिलेंस टीम ने दारोगा को पकड़ने के लिए एक सुनियोजित जाल बिछाया।

होटल से हुई गिरफ्तारी

दारोगा संजय कुमार सिंह ने भोला कोरी को रिश्वत की रकम देने के लिए नाहरपुल स्थित एक होटल के पास बुलाया था।

जैसे ही भोला कोरी ने दारोगा संजय सिंह को 5,000 की रकम दी, वहाँ पहले से ही मौजूद विजिलेंस टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया। विजिलेंस टीम दारोगा को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थाने ले गई है। इस गिरफ्तारी के बाद कानपुर देहात पुलिस महकमे में हडक़ंप मच गया है। इसी मामले में एसपी श्रध्दा नरेंद्र पांडेय ने तत्काल प्रभाव से से दारोगा को निलंबित कर दिया है। विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

ब्लॉक स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में संगसियापुर के बच्चों का दिखा दम

» योग में प्रथम, जिम्नास्टिक में द्वितीय स्थान पाकर बढ़ाया स्कूल और गांव का मान

» बीएसए समेत अधिकारियों ने मेडल देकर किया सम्मानित, बच्चों के जज्बे की सराहना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लॉक स्तरीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया। योग प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रथम स्थान तथा जिम्नास्टिक में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। अकबरपुर ब्लॉक स्तरीय बालक–बालिका वर्ग की खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता स्पोर्ट्स स्टेडियम माती में हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया। उन्होंने बच्चों को खेलों के माध्यम से सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया।योग प्रतियोगिता में कक्षा 3 के रामकरन आर्यन और कक्षा 4 के नितिन, शोभित, आर्यन नैतिक ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, जिम्नास्टिक में नितिन, शोभित, प्रिंस, आर्यन नैतिक ने द्वितीय स्थान हासिल किया।सभी विजेता छात्रों को मेडल प्रदान किए गए। बच्चों की तैयारी सहायक अध्यापिका कंचन कामिनी ने कराई, जिन्होंने ब्लॉक पीटीआई के रूप में मार्गदर्शन भी दिया। गत वर्ष भी विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर स्कूल का मान बढ़ाया था। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रणजीत सिंह ने सभी विजेता बच्चों व शिक्षिका कंचन कामिनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भविष्य में भी बच्चे इसी तरह विद्यालय और ब्लॉक का नाम रोशन करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

स्कॉर्पियो पर ओवरलोड डंपर पलटा, मंत्री के करीबी समेत दो की मौत, चार घायल

पटेल चौक पर हुआ दर्दनाक हादसा, पटेल चौक पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग फिर तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पटेल चौक पर सोमवार शाम हुआ एक भीषण हादसा पूरे जिले को दहला गया। एक ओवरलोड डंपर के पलटने से कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के करीबी प्रहलाद सचान और एक बालक की दर्दनाक मौत हो गई। डंपर पलटने से स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बाइक सवार बच्चे की मौके पर ही जान चली गई। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलते ही एसडीएम देवेंद्र सिंह, तहसीलदार प्रिया सिंह और पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

जेसीबी की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। भोगनीपुर पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक फरार हो गया।

तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने परिवहन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा कि ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण नहीं होने के कारण आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं।

ओवरब्रिज की मांग दोहराई, कहा हर हफ्ते मंत्री आते हैं फिर भी अनदेखी

पटेल चौक क्षेत्र के लोगों ने एक बार फिर ओवरब्रिज निर्माण की मांग उठाई है। पुखरायां निवासी डॉक्टर विकास सचान, शेख मोहम्मद और प्रबल प्रताप दिनेश ने बताया कि यह चौक हादसों का हॉटस्पॉट बन चुका है, लेकिन अब तक जिला प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब कैबिनेट मंत्री राकेश सचान हर शनिवार यहां जनता दरबार लगाते हैं, तो पटेल चौक पर ओवरब्रिज को लेकर कार्रवाई क्यों नहीं होती।विशेषज्ञों का कहना है कि हाईवे पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन लगातार हादसों को दावत दे रहे हैं। नशे में धुत चालक और बेतरतीब खड़े खराब वाहन स्थिति को और खतरनाक बना देते हैं। नागरिकों का कहना है कि अगर जिला प्रशासन ओवरलोडिंग पर लगातार सख्त कार्रवाई करे, तो इन हादसों में निश्चित रूप से कमी आ सकती है।

मृतकों की फाइल फोटो

छात्रा को बहला कर ले जाने पर 7 लोगों पर मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर गांव से बीए की छात्रा को गांव के ही युवकों ने बहला कर भगा ले गए। छात्रा की मां ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। भोगनीपुर गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी पुत्री सरांय डिग्री कॉलेज में में पढ़ती थी। 15 अक्टूबर को गांव का ही निवासी अवधेश उर्फ सोनू फुसला कर भगा ले गया भागने में छोटू व उसकी मां पुष्पा रजनीश अमन व अज्ञात लोगों का भी हाथ है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर भोगनीपुर थाने में 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है थाने के उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

रसूलाबाद में पहली बार विधि-विधान से घाट पर हुई छठ पूजा

» एसडीएम सर्वेश सिंह की पत्नी ने श्रद्धा से दिया अर्घ्य, दीपों से जगमगाया घाट

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे में इस बार छठ पूजा का पर्व विशेष उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। यह पहला अवसर था जब स्थानीय घाट पर परंपरागत विधि-विधान के साथ व्रती महिलाओं ने अस्त होते व उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

गांधी नगर (लाला निवादा) स्थित रजबहे के घाट पर सोमवार शाम श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और छठ मइया के गीतों से पूरा वातावरण पावन हो गया। पूजा कार्य देखने और श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी और ग्रामीण पहुंचे।इस अवसर पर रसूलाबाद के उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह अपनी पत्नी के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि छठ पूजा सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ा पर्व है, जो प्रकृति और सूर्य उपासना की परंपरा को आगे बढ़ाता है।वहीं स्थानीय प्रशासन की ओर से घाट पर सुरक्षा, प्रकाश और स्वच्छता के व्यापक इंतज़ाम किए गए। कार्यक्रम में विधायक पूनम संखवार, नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल, शिक्षक एके ओझा, सुमन दुबे, डा. लोकश सिंह चौहान, प्रियंका सिंह, गोपाल गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

जाजमऊ सिद्धनाथ धाम पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर

कानपुर।जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ धाम के संत भीखाराम आश्रम में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज पहुंचे। उन्होंने यहां सिद्धनाथ बाबा का अभिषेक किया और दलित परिवार में जन्मे सिद्ध संत भीखाराम बाबा की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।इस दौरान ठाकुर जी महाराज ने महंत अरूण चैतन्य पुरी महाराज से भेंट की। दोनों के बीच जामा मस्जिद आगरा, कृष्ण जन्मभूमि मथुरा, काशी विश्वनाथ मंदिर और सनातन बोर्ड से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। ठाकुर जी महाराज ने कहा कि इन अभियानों को आगे बढ़ाने के लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा।कार्यक्रम में पनकी मंदिर के महंत कृष्ण दास जी महाराज सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों में राकेश तिवारी, विजय चौरसिया, विनोद गुप्ता, श्याम दुबे (जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ), शेष नारायण त्रिवेदी, संजय त्रिवेदी, किरण पांडे, पुष्पा जायसवाल, लक्ष्मी पांडे, प्रशांत त्रिपाठी, संगीत त्रिपाठी, सत्येंद्र शुक्ला, मयंक मिश्रा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

छठी मैया का तीन दंपतियों को मिला आशीर्वाद

» एडॉप्शन लेटर मिला तो अभिभावक बोले- धन्यवाद डीएम सर

»तीन मासूमों को मिला नया परिवार, तीन घरों में गूंजी किलकारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कलेक्ट्रेट सभागार सोमवार को भावनाओं से भर गया। बाहर बादल गरज रहे थे, और भीतर खुशी की बरसात हो रही थी। वर्षों से संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे तीन दंपतियों को आखिरकार मातृत्व और पितृत्व का वरदान मिला। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जैसे ही दत्तक ग्रहण आदेश (Adoption Letter) सौंपा, वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो उठीं। तीनों दंपतियों ने एक स्वर में कहा- धन्यवाद डीएम सर, आपने हमारी जिंदगी रोशन कर दी।

इन तीन मासूमों को मिला नया आशियाना

नवजात परी, करन और सोना– तीनों को जीवन की नई शुरुआत मिली।परी, जिसे नजीराबाद थाने क्षेत्र में लावारिस अवस्था में पाया गया था, अब हैदराबाद के प्रवीण कुमार दीवानजी और लता श्रीवास्तव की लाड़ली रायिनी बन गई है।

करन, जो कोतवाली क्षेत्र से निराश्रित मिला था, अब धनबाद (झारखंड) के दिनेश कुमार तिवारी और अनामिका तिवारी के घर आयांस तिवारी के नाम से गूंजेगा।

सोना, जो अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर अकेली मिली थी, अब जयपुर के भीमराज और मीना देवी की बिटिया वान्या बन चुकी है।

कलेक्ट्रेट में भावनाओं से भरे रहे कुछ पल

जब लता श्रीवास्तव ने नन्हीं रायिनी को सीने से लगाया, उनकी आंखें छलक उठीं।मीना देवी ने वान्या के माथे को चूमते हुए कहा– अब हमारा घर पूरा हो गया।

दिनेश तिवारी ने आयांस को गोद में भरकर मुस्कराते हुए कहा– यह हमारे जीवन का सबसे सुंदर दिन है।

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित है। एक्स पोर्टल (https://cara.wcd.gov.in) के माध्यम से ही गोद लेना वैध है। किसी अन्य माध्यम से की गई प्रक्रिया विधिक रूप से अमान्य होगी।

उन्होंने तीनों परिवारों को नए जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन बच्चों को अब सच्चा घर और माता-पिता का स्नेह मिला है, इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं।

सरसैया घाट पहुंचे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल बिश्नोई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य सलिल बिश्नोई ने सोमवार को छठ महापर्व के अवसर पर सरसैया घाट पहुंचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की।

उन्होंने आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की और सभी को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।श्री बिश्नोई ने कहा कि छठ पर्व आस्था, पर्यावरण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व जन-जन को प्रकृति और स्वच्छता से जोड़ने का संदेश देता है। उन्होंने घाट पर की गई सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था की सराहना की और नगरवासियों से इसे बनाए रखने की अपील की।इस दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही। चारों ओर जय छठी मैया के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

उदय होते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने किया व्रत का पारण

छठ महापर्व का समापन

» सरयू तट पर भक्ति अनुशासन और आस्था का अद्भुत संगम, गूंजे छठ मइया के जयकारे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या के सरयू तट पर आज प्रात:काल आस्था का महासागर उमड़ पड़ा। चार दिवसीय छठ महापर्व का आज पावन समापन हुआ, जब व्रती महिलाओं ने उदय होते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर अपना कठिन निर्जला व्रत पूर्ण किया।सूर्योदय के क्षणों में सरयू की लहरों पर सुनहरी किरणें जैसे भगवान भास्कर का आशीर्वाद लेकर उतरी हों। व्रती महिलाएं जल में खड़ी होकर छठ मइया के जयकारे लगाते हुए सूर्यदेव से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के दीर्घायु और समाज के कल्याण की कामना कर रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर घाटों पर प्रशासन ने चाक-चौबंद व्यवस्था की थी। सफाई, सुरक्षा और प्रकाश की व्यापक व्यवस्था के बीच सरयू के झुनकी घाट नया घाट, तुलसीदास घाट, गुप्तार घाट और लक्ष्मण घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। व्रती महिलाओं के लिए विशेष पूजा बेदियाँ बनाई गई और घाटों को दीपमालाओं से सजाया गया। मंगलवार की भोर में जैसे ही सूर्य की पहली किरणें सरयू के जल पर पड़ीं, पूरा घाट 'जय छठ मइया' के जयघोष से गूंज उठा। महिलाएं फल, फूल और ठेकुआ से भरे डाले (सूप) लेकर अर्घ्य अर्पित कर रही थीं। रामनगरी अयोध्या आज भक्ति और लोकसंस्कृति के रंग में डूबी रही सरयू की गोद में सूर्य आराधना का यह पर्व एक बार फिर साबित कर गया कि आस्था की शक्ति सबसे बड़ी होती है।

गैराज के बाहर खड़ी दो कारों में रहस्यमयी हालात में लगी आग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जीटी रोड किनारे सोमवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब उत्तरीपुरा स्थित एक गैराज के बाहर खड़ी दो कारों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटें इतनी तेज हुईं कि एक मारुति वैन और एक एक्सयूवी कार पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

जानकारी के मुताबिक, रामपाटी गांव निवासी गोविंद कुमार का उत्तरीपुरा में पेट्रोल पंप के पास कार गैराज है।

रोज की तरह सोमवार शाम गोविंद गैराज बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब 10 बजे दुकान के बाहर खड़ी एक कार से धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने बाल्टियों और पाइप से पानी

डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि उसने पास खड़ी दूसरी कार को भी अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया,

लेकिन तब तक दोनों गाड़ियां जल चुकी थीं। उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी निशांत भाटी ने बताया कि आग अज्ञात

कारणों से लगी प्रतीत हो रही है, फिलहाल नुकसान का आकलन और कारणों की जांच की जा रही है।

अयोध्या की आस्था के बीच देह व्यापार का धंधा बेलगाम

रामनगरी में रावणों का ठिकाना

» नियावां में वायरल वीडियो ने खोली पुलिस की निष्क्रियता की पोल

» राणी सती गेस्ट हाउस की कार्रवाई के बाद भी नहीं थमा अयोध्या का सेक्स रैकेट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भगवान राम की नगरी जहां भक्ति की धारा बहनी चाहिए थी, वहां अब पाप का का अड्डा बसता जा रहा है! अयोध्या की मर्यादा को शर्मसार कर देने वाला एक और देह व्यापार का मामला सामने आया है और यह कोई सामान्य मामला नहीं, बल्कि सिस्टम की मिलीभगत का जिंदा सबूत है। कोतवाली नगर क्षेत्र के नियावां में एक मकान का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। 3 मिनट 36 सेकंड के इस वीडियो में एक युवक लड़कियों की कीमतें तय करता सुना जा रहा है। वीडियो में दिख रहीं युवतियां वस्तु की तरह पेश की जा रही हैं।

बता दें कि यह वही अयोध्या है जहां कुछ दिन पहले फतेहगंज के राणी सती गेस्ट हाउस में पुलिस ने छापा मारा था। तब कहा गया था अब शहर से इस गंदे धंधे का सफाया होगा। लेकिन हुआ क्या?

राणी सती गेस्ट हाउस सील हुआ, कुछ गिरफ्तारियां हुई और बाकी सब जैसे कुछ हुआ ही नहीं! क्योंकि आज नियावां में फिर वही गंदगी, वही कारोबार, और वही सत्ता की खामोशी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मकान में कई हफ्तों से संदिग्ध लोगों की आवाजाही थी। पुलिस को बार-बार सूचना दी गई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लीपापोती। अब जब वीडियो वायरल हुआ, तब जाकर अफसरों की नींद टूटी। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी का कहना है कि वीडियो की जांच की जा रही है। लोगों का कहना है कि अयोध्या की गलियों में अब देह व्यापार की जड़ें गहरी हो चुकी हैं, और प्रशासन केवल फाइलों में धर्म निभा रहा है। संत समाज और सामाजिक संगठन फट पड़े हैं। उनका कहना है जहां रामलला का नाम लिया जाता है, वहीं देह का सौदा हो रहा है यह न सिर्फ अपराध है, बल्कि आस्था की हत्या है।

दबंगों ने घर पर ताला डाला पीड़ित परिवार सड़क पर

जमीन हमारी, पर घर में ताला उनका

» अयोध्या में निषाद परिवार के घर पर दबंगों ने किया कब्जा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंभूनाथ सिंह दीपू पर गंभीर आरोप

» मारपीट, तोड़फ़ोड़ और घर से बेदखल करने का मामला, सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की पवित्र भूमि पर जहां एक ओर भक्तिभाव का सागर उमड़ा रहता है, वहीं दूसरी ओर सत्ता और शक्ति के नशे में चूर कुछ लोग इंसानियत को रौंदने से भी नहीं हिचक रहे। ताजा मामला पूरा बाजार क्षेत्र का है, जहां पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंभूनाथ सिंह दीपू और उनके 12 साथियों पर निषाद समाज के एक गरीब परिवार को मारपीट कर घर से बेदखल करने का सनसनीखेज आरोप लगा है।पीड़ित बृजेश निषाद का कहना है कि शनिवार की शाम दीपू अपने साथियों के साथ घर में घुस आया।

परिजनों के साथ बर्बरता की, मोबाइल फेंककर तोड़ दिया और पूरे परिवार को बाहर निकालकर घर में ताला जड़ दिया।

स्वराज इंडिया X क्लूसिव

यही नहीं, जमीन पर कब्जे के इरादे से कटीले तार लगाकर चारों ओर घेराबंदी भी कर दी गई। अब हालात यह हैं कि बृजेश निषाद का परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है।

बच्चे, बूढ़े और महिलाएं सब सडक़ पर हैं। घर हमारा, जमीन हमारी, पर रात किसी और की दीवारों में कट रही है। पीड़ित परिवार का यही दर्द भरा बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बृजेश का दावा है कि विवादित भूमि उसकी पीढ़ियों की पैतृक संपत्ति है, लेकिन अब हमें अपनी ही जमीन से खदेड़ा जा रहा है। पीड़ित का कहना है कि पूरा बाजार चौकी और महाराजगंज थाने में शिकायत दी, मगर शुरू में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई, तब जाकर हरकत में आई पुलिस ने आरोपी पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंभूनाथ सिंह दीपू और उनके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मामला बृजेश निषाद की पत्नी प्रीति निषाद की तहरीर पर दर्ज हुआ है।

कानून की रखवाली के बजाय कब्जे की दलाली?

» दरोगा देवेंद्र सहित 7 लोगो पर कोर्ट ने दिया मुकदमा दर्ज करने का आदेश!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पूराकलंदर में कानून की वर्दी एक बार फिर सवालों के कटघरे में है। निलंबित थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह अब न्यायालय की नजरों में हैं ।

आरोप है कि उन्होंने पुलिस वर्दी को कब्जा कराने का लाइसेंस बना लिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधांशु शेखर उपाध्याय ने देवेंद्र सिंह समेत सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया है।

पूरा मामला पूराकलंदर के गांव कर्मा का है। शिकायतकर्ता दुर्गेश सिंह का कहना है कि उनकी पारिवारिक संपत्ति पर कब्जा कराने में खुद थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह की मिलीभगत रही। पीड़ित जब मदद की गुहार लेकर पुलिस के पास पहुँचा, तो कानून के रखवालों ने ही कब्जा महोत्सव मना डाला। 13 जून की शाम, जब घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं था, आरोपितों ने महिलाओं से मारपीट कर घर में ताला जड़ दिया। पुलिस आई तो ताला खुलवाया गया पर थोड़ी देर बाद वही पुलिस फिर लौटी और इस बार कब्जा पक्का कर गई!

एसआई पवन मौर्य, दीवान राकेश और अन्य पुलिसकर्मियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगे हैं। यह वही सिस्टम है, जो अपराध रोकने के नाम पर अपराध की दलाली करने लगा है।

पूराकलंदर की जनता अब पूछ रही है अगर पुलिस ही जमीन कब्जा करवाए तो न्याय किससे मिलेगा? वहीं अदालत ने सख्ती दिखाते हुए कहा है सात दिन में एफआईआर दर्ज करो और कोर्ट को रिपोर्ट दो। कहने को यह एक केस है, पर असल में यह उस बीमार सिस्टम की झलक है जहां वर्दीधारी दरोगा 'लॉ एंड ऑर्डर' नहीं बल्कि 'लैंड ऑर्डर' संभालता है।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश

लखनऊ: जोड़े साहिब यात्रा में शामिल हुए सीएम योगी, मत्था टेका

जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। सिख समुदाय की आस्था का प्रतीक चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा के पवित्र जोड़ा साहिब का लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। यह यात्रा सिख समुदाय के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़ा साहिब से जुड़ी है, जो सिख आस्था का अत्यंत पवित्र प्रतीक मानी जाती है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने योगी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा हमारी परंपरा में यह कहा गया है, जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे। अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है। यह यात्रा हमें उस गौरवशाली गुरु परंपरा से जोड़ती है, जिसने भारत की संस्कृति, साहस और बलिदान की भावना को नई दिशा दी।

योगी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शुरू हुई है। यह केवल श्रद्धा की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का भारत की सनातन परंपरा में योगदान अविस्मरणीय है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चार साहिबजादों ने जिस प्रकार धर्म, देश और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, वह भारत के इतिहास को नई प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं।

थारुओं पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग

लखनऊ। करीब डेढ़ हजार से ज्यादा थारू लोगों पर दर्ज मुकदमे खत्म करवाने के लिए पलिया विधायक रोमी साहनी कई ग्राम प्रधानों के साथ मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। 2012 से 2016 में सपा कार्यकाल में नेपाल बॉर्डर के सीमावर्ती थारू बाहुल्य गांवो में करीब 1600 थारु लोगों पर दर्ज मुकदमो को खत्म करवाने के लिये पलिया विधायक रोमी साहनी के नेतृत्व में कई प्रधानों का प्रतिनिधिमंडल आज सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला।

विधायक रोमी साहनी की पहल पर मुख्यमंत्री ने सभी को आज लखनऊ बुलाया था । इन गांवों के लोगों को कहना है कि उस समय इन सभी पर साजिशन मुकदमे दर्ज किए गए थे जबकि यह लोग निर्दोष हैं।

बिसलेरी कंपनी का नकली पानी बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

आरोपी के पास से मिलीं 234 नकली बोतलें

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नोएडा। नोएडा में बिसलेरी कंपनी के नाम से नकली पानी की बोतल बेचने के आरोप में एक दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से पानी से भरी हुईं बिसलेरी की 234 नकली बोतलें और कंपनी के स्टीकर लगी हुईं कई खाली बोतल बरामद की गई हैं।

थाना सेक्टर 113 के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि शगुन नामक व्यक्ति ने बीती रात थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया है कि वह बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में काम करता है। शिकायतकर्ता ने कहा कि वह 27 अक्टूबर को सोरखा गांव में पहुंचा तो उसे सूचना मिली कि आर. एस. मिश्रा स्टोर के परिसर में बिसलेरी का पानी रखा हुआ है। शिकायत में कहा गया है कि इस दौरान शिकायतकर्ता को पता चला कि दुकानदार बिसलेरी का अधिकृत चैनल पार्टनर बनकर कंपनी के नाम से नकली पानी बेच रहा है।

शिकायतकर्ता ने कहा कि जब उसने जांच की तो पता चला कि आर एस मिश्रा स्टोर उनकी कंपनी के अधिकृत चैनल पार्टनर की सूची में शामिल नहीं है। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने परिसर के अंदर बिसलेरी की लगभग 234 सीलबंद व पैक की हुईं बोतलें और 20 लीटर पानी वाले 70 खाली जार देखे। शिकायतकर्ता ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद दुकान पर पहुंची पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कापीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि रमाशंकर मिश्रा की दुकान से मिलीं सभी बोतलों की बिसलेरी के नाम से नकली पैकेजिंग की गई।

सड़क पर थूका तो एक हजार, डॉगी को पॉटी कराने पर पांच सौ जुर्माना

काशी में स्वच्छता अभियान को लेकर नगर निगम का बड़ा कदम

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में स्वच्छता अभियान की शुरुआत अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के अस्सी घाट से शुरू किया था। इस अभियान को लगातार आगे भी बढ़ाया गया। अब मोदी की उसी काशी में स्वच्छता अभियान को लेकर नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता नियमावली 2021 पूरी तरह लागू कर दी गई है। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने सोमवार को सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर नियमावली की विस्तृत जानकारी दी। विभागों को नई जुर्माना बुक वितरित की गई। इस दौरान 2017 में लागू पुरानी नियमावली और जुर्माना बुक को तत्काल प्रभाव से अमान्य घोषित कर दिया गया।

नगर आयुक्त ने बताया कि अब स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर तत्काल जुर्माना लगेगा। बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर तक की कार्रवाई का भी प्रावधान है। नई स्वच्छता नियमावली के तहत नगर निगम ने 33 बिंदुओं में जुर्माने का प्रावधान किया है। अब वाहन से चलते वक्त कूड़ा फेंकने या थूकने पर 1000 जुर्माना लिया जाएगा। पालतू जानवरों जैसे डॉगी को सार्वजनिक स्थान पर पॉटी कराने पर 500 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। किसी भी खुले मैदान, उद्यान या खाली जमीन पर गंदगी फैलाने पर 500 रुपये जुर्माना देना होगा। नदियों, सीवर या जलमार्ग में पूजा सामग्री फेंकने या गंदगी पर 750 रुपये जुर्माना तय किया गया है। सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी पर भी 500 रुपये जुर्माना लगेगा। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों या विरासत भवनों के पास गंदगी पर 750 रुपये देना होगा। अपने घर या परिसर में मलबा या कचरा 24 घंटे से ज्यादा रखने पर 500 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

प्लास्टिक और निर्माण मलबे पर भी सख्ती

प्रतिबंधित प्लास्टिक या थर्माकोल के उत्पादन, वितरण या उपयोग पर भी कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में अधिनियम 2000 और 2018 के तहत स्थलीय जुर्माना वसूला जाएगा। निर्माण मलबा या तोड़-फोड़ का कचरा सड़कों या नालियों के किनारे फेंकने पर 3000 रुपये का जुर्माना देना होगा।

कोई कर्मचारी, ठेकेदार या अभिकर्ता ने समुचित सुरक्षात्मक उपकरण के बिना किसी व्यक्ति को सेप्टेज, गंदे नाले और मलकुंड को हाथ से कार्य कराया तो पांच हजार रुपये जुर्माना देना होगा। जानवरों के पेशाब करने या जानवरों को इस तरह खाना डालने जिससे कचरा फैलता हो, उस पर 250 रुपये जुर्माना लगेगा। बिना ढंके कचरा लदे वाहन चलाने पर 2000 रुपये और नालियों में अपशिष्ट डालने पर 500 रुपये का जुर्माना तय किया गया है।

संस्थान भी होंगे जिम्मेदार

नगर निगम ने साफ किया है कि सिर्फ आम नागरिक ही नहीं, संस्थान और आयोजन स्थल भी इसके दायरे में आएंगे। यदि कोई स्कूल, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट या आयोजन स्थल पृथक्कृत कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन नहीं करते हैं तो प्रतिमाह अतिरिक्त जुर्माना वसूला जाएगा। भंडारा या लंगर आयोजन करने वालों को भी स्थल पर अलग-अलग डिब्बे रखना अनिवार्य किया गया है, अन्यथा 2000 रुपये का जुर्माना लगेगा।